(c) the extra amount that would be payable to them due to higher rates; and

(d) the nature of extra work given to them?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) to (d). A statement explaining the position is placed on the Table of the House. [*See* Appendix IV, annexure No. 114].

नाजायज बच्चों के लिये केन्द्र

२१३१-ख **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नाजायज बच्चों के संरक्षण के लिये सरकार द्वारा भारत में कहीं कोई केन्द्र खोले गये हैं ,

(ख) यदि हां, तो वे किन-किन स्थानों में खोले गये हैं ,

(ग) क्या सरकार ने ऐसे बच्चों के प्रतिवर्ष जन्म और मरण के कोई आकड़े एकत्रित किये हैं :

(घ) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के आकड़े क्या हैं , और

(ङ) क्या सरकार ऐसी सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहायता देती है जो ऐसे बच्चों का संरक्षण करती है और पिछले पांच वर्षों में ऐसी सहायता किन-किन संस्थाओं को दी गई ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क), (ख) और (ङ). अपेक्षित जानकारी इकट्ठी की जा रही है और उपलब्ध होने पर सदन पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

Ropeway over Rohtang Pass

2131-C. Shri Hem Raj: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether the Punjab Government have approached the Central Government for loan subsidy or grant for the construction of a ropeway over the Rohtang Pass to connect Kulu Valley with Lahaul Valley; and

(b) if so, the amount asked for?

The Deputy Minister of Home Affairs (Shrimati Alva): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

हिन्दी

२१३१-घ. **श्री भक्त दर्शन** :
श्री जगदीश अवस्थी :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री श्री नित्यानन्द कानूनगो ने ६ दिसम्बर, १९५८ को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के समक्ष भाषण देते हुए ये शब्द कहे थे—"मेरी हिन्दी की परिभाषा यह है कि कोई भी भारतीय भाषा जो गलत बोली जाये हिन्दी है" ; और

(ख) यदि हां, तो उन्होंने किन अर्थों में उन शब्दों का प्रयोग किया था ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) और (ख). वाणिज्य मंत्री ने हिन्दी की कोई परिभाषा नहीं दी थी बल्कि उन्होंने देश में एक भावना की जरूरत पर जोर देते हुये कहा था कि इसके लिये एक समान भाषा की जरूरत है और वह केवल हिन्दी ही हो सकती है । देश में एक भावना को पैदा करने के लिये सबों के अन्दर दूसरों की गल्तियां बर्दाश्त करने के माद्दे पर जोर देते हुए उन्होंने यूं ही मजाकिया तौर पर कहा था कि कुछ